Code No. **3/2/1**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 19 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

निर्देश **:** *(i) इस प्रश्नपत्र के* ***चार*** *खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना ***अनिवार्य*** *है।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खण्ड क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्दों अथवा एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(क) पश्चिमी हिन्दी की किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए। 1

(ख) भारत संघ की राजभाषा और सह-राजभाषा का नाम लिखिए। 1

(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी से आप क्या समझते हैं ? 1

(घ) निम्नलिखित भाषाओं की लिपियों के नाम लिखिए : 1

(i) मराठी

(ii) अंग्रेज़ी

2. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(i) विद्वान्, श्रीमान्। (लिंग बदलकर लिखिए) 1

(ii) वह लड़का बहुत बोल रहा है। (क्रिया-विशेषण छाँटकर उसका भेद भी लिखिए) 1

(iii) <u>दरवाज़े पर</u> <u>कौन</u> खड़ा है ? (रेखांकित पदों का परिचय दीजिए) 2

(iv) साहसी, दयालु। (भाववाचक संज्ञा में बदलकर लिखिए) 1

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) वह मज़दूर कहाँ है जो कल छत से गिर गया था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर लिखिए) 1

(ख) लड़के घर में आराम करते हैं। (आज्ञावाचक वाक्य में बदलकर लिखिए) 1

(ग) निम्नलिखित वाक्यों का संश्लेषण एक सरल वाक्य में कीजिए : 1

- सुबह-सुबह स्टेशन जाओ।
- कोई भी गाड़ी पकड़ो।
- शीघ्रातिशीघ्र दिल्ली चले जाओ।

(घ) सब नर-नारियों ने उस सुंदर कार्यक्रम को ध्यान से देखा।

(उद्देश्य और विधेय अलग-अलग करके लिखिए) 1

4. (क) यमक **अथवा** श्लेष अलंकार का कोई एक उदाहरण दीजिए। 1

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(i) सुरभित, सुंदर, सुखद सुमन तुझ पर खिलते हैं। 1

(ii) वैरी-दल को ललकार उठी,
वह नागिन-सी फुफकार उठी। 1

(iii) प्रकृति-वधु ने असित वसन बदला, सित पहना।
तन से दिया उतार तारकावलि का गहना।। 1

खण्ड ख

5. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 8

(क) विद्यार्थी और फैशन

(i) फैशन के प्रति सभी का आकर्षण
(ii) सजने-सँवरने का व्यक्तित्व पर प्रभाव
(iii) छात्रावस्था और फैशन
(iv) फैशन की सीमाएँ अपेक्षित
(v) फैशन में संतुलन की आवश्यकता

(ख) मेरी प्रिय पुस्तक

(i) भिन्न-भिन्न विषयों की पुस्तकों में मेरी रुचि
(ii) मुझे सबसे अधिक प्रिय है ________ पुस्तक
(iii) उसका विषय
(iv) उसकी विशेषताएँ
(v) उसका मेरे जीवन पर प्रभाव

(ग) <u>मीठी वाणी बोलिए</u>

(i) भाषा एक अनमोल वरदान, एक बड़ी शक्ति

(ii) मीठी भाषा का प्रभाव

(iii) कठोर और कटु भाषा-प्रयोग से हानियाँ

(iv) कुछ उदाहरण

(v) वाणी और व्यक्तित्व

6. सांप्रदायिकता और जातिवाद के विरोध में जन-जागृति पैदा करने के लिए समाचार-पत्र के प्रधान संपादक को एक पत्र लिखिए। 4

अथवा

समय के सदुपयोग और परिश्रम पर बल देते हुए छोटे भाई को एक प्रेरणादायक पत्र लिखिए।

7. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक-तिहाई शब्दों में लिखिए : 3

आज का मनुष्य धन के पीछे अंधाधुंध दौड़ रहा है। पाँच रुपए मिलने पर दस, दस मिलने पर सौ और सौ मिलने पर हज़ार की लालसा लिए वह इस अंधी दौड़ में शामिल है। इस दौड़ का कोई अंत नहीं। धन की इस दौड़ में सभी मानवीय और पारिवारिक संबंध पीछे छूट गए। व्यक्ति झूठ-सच, उचित-अनुचित, न्याय-अन्याय और अपने-पराए के भेद-भाव को भूल गया। उसके पास अपने बच्चों के लिए, अपनी पत्नी तक के लिए समय नहीं है। धन के लिए पुत्र का पिता के साथ, बेटी का माँ के साथ और पति के साथ झगड़ा हो रहा है। भाई-भाई के ख़ून का प्यासा है। धन की लालसा व्यक्ति को जघन्य अपराध करने के लिए उकसा रही है। इस लालसा का ही परिणाम है कि जगह-जगह हत्याएँ, लूट-खसोट, अपहरण और चोरी-डकैती की घटनाएँ बढ़ रही हैं। इस रोगी मनोवृत्ति को बदलने के लिए हमें हर स्तर पर प्रयत्न करने होगें।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

सत्य और अहिंसा जीवन के दो पवित्र और उच्च मूल्य हैं। दोनों एक-दूसरे से जुड़े हैं, एक-दूसरे से शक्ति और प्रकाश प्राप्त करते हैं। हम यों भी कह सकते हैं कि सत्य और अंहिसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अहिंसा परम धर्म है, जिसके द्वारा सत्य रूपी ईश्वर की प्राप्ति संभव है। हमारे मार्ग में चाहे जितनी कठिनाइयाँ आएँ, बाहरी दृष्टि से हमें चाहे जितनी भारी हार दिखाई दे, तो भी हमें विश्वास बनाए रखकर अहिंसा और सत्य का दृढ़ता से पालन करना चाहिए। हमें सदा ही एक ही मंत्र जपना चाहिए — सत्य है, वही है, वही परमेश्वर है, उसे प्राप्त करने का एक ही तरीका है, एक ही साधन अहिंसा है। उसे हम कभी न छोड़ेंगे।

ईश्वर से इस प्रकार की प्रार्थना करने पर वह हमें अवश्य बल प्रदान करता है और हम उच्चतर जीवन-मार्ग पर चलने में सफल होते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) सत्य और अहिंसा का परस्पर क्या सम्बन्ध है ? 1

(iii) हमें किस मंत्र का सैदव जाप करना चाहिए ? 1

(iv) सत्य और अहिंसा के पालन से हमें क्या लाभ हैं ? 1

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

मैंने बचपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे।
रुपयों की कलदार मधुर फसलें खनकेंगी,
और, फूल-फलकर मैं मोटा सेठ बनूँगा।
पर बंजर धरती में न एक अंकुर फूटा,
वंध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा उगला।
मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक,
बाल-कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर।
मैं अबोध था, मैंने ग़लत बीज बोए थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था।

(i) कवि ने बचपन में क्या भूल की थी और क्यों ? 1

(ii) कवि ने मिट्टी को 'वंध्या' क्यों कहा है ? 1

(iii) 'बाल-कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर' — काव्य-पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 1

(iv) इन काव्य-पंक्तियों के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है ? 1

खण्ड घ

10. निम्नलिखित गद्यांशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) लो, एक और बात बताता हूँ आपको। जीवन को दर्शनशास्त्रियों ने बहुमुखी बताया है, उसकी अनेक धाराएँ हैं। सुना नहीं है आपने कि जीवन एक युद्ध है और युद्ध में लड़ना ही तो कोई काम नहीं होता। लड़ने वालों को रसद न पहुँचे तो वे कैसे लड़े। किसान ठीक खेती न उपजाए तो रसद पहुँचाने वाले क्या करें और लो, जाने दो बड़ी-बड़ी बातें, युद्ध में जय बोलने वालों का भी महत्त्व है।

(i) जीवन एक युद्ध कैसे है ? 2

(ii) सैनिकों के साथ-साथ और कौन लोग युद्ध में योगदान करते हैं और कैसे ? 2

(ख) कोई भी काम हाथ में लेने से पहले सभी ग्रमवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाली बैठक बुलाई जाती है। ग्रामवासियों की अपनी समिति चुनी जाती है, जिसमें ग़रीब लोगों तथा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है, विशेष रूप से दलित तथा ग़रीब महिलाओं को। हमारे संस्थान का मूल आशय गाँव की दरिद्र जनता की मूलभूत ज़रूरतों को पूरा करने के लिए परम्परागत जानकारी और व्यवहारिक अनुभव के आधार पर साझे प्रयासों द्वारा गाँव की अर्थ-व्यवस्था का विकास करना है।

(i) आप कैसे कह सकते हैं कि ग्राम-समिति में सभी ग्रामवासियों का प्रतिनिधित्व होता है ? 2

(ii) संस्थान का मूल उद्देश्य क्या है ? 2

11. (क) अधिकांश लोग नींव की ईंट बनने की अपेक्षा कँगूरे की ईंट बनने के लिए उतावले क्यों रहते हैं ? — 'नींव की ईंट' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 3

(ख) निराला जी के लिए 'महामानव' विशेषण का प्रयोग कहाँ तक सार्थक है ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 3

12. (क) कौन-सा बंधन मनुष्य को मनुष्य बनाता है और कैसे ? 'नाख़ून क्यों बढ़ते हैं ?' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 3

(ख) रोमैं रोलाँ की कौनसी बातें गाँधी जी के प्रति उनके झुकाव को दर्शाती हैं ? — 'डायरी के पृष्ठों से' पाठ के आधार पर लिखिए। 3

13. (क) सूखते हुए वृक्ष से हटकर बेल कहाँ गई और क्यों ? उसका यह व्यवहार आज के समाज की किस प्रवृत्ति को उजागर करता है ? 3

(ख) 'पूस की रात' कहानी के आधार पर बताइए कि जले हुए खेत की दुर्दशा देख कर मुन्नी और हल्कू पर क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों ? 2

14. निम्नलिखित काव्यांशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) निपट निरंकुस निठुर निसंकू। जेहि ससि कीन्ह सरुज सकलंकू।।
रूख कलपतरु सागरु खारा। तेहि पठए बन राजकुमारा।।
जो पै इन्हहिं दीन्ह बनबासू। कीन्ह बादि बिधि भोग-बिलासू।।
ये बिचरहिं मग बिनु पदत्राना। रचे बादि बिधि बाहन नाना।।

(i) गाँव की स्त्रियाँ ब्रह्मा को निरंकुश और विवेकहीन क्यों मानती हैं ? 2

(ii) भोग-विलास के साधनों और विविध प्रकार के वाहनों को निरर्थक मानने के पीछे क्या कारण हैं ? 2

(ख) संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ, वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झरकर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना, जीत उसकी ही रही।

(i) कवि ने कैसे व्यक्ति को 'मृत' कहा है और उसकी तुलना डाल से गिरे फूल से क्यों की है ? 2

(ii) 'जिसने प्रणय पाथेय माना, जीत उसकी ही रही' — पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि ने कैसे व्यक्ति को विजयी माना है। 2

15. निम्नलिखित काव्यांश का भाव-सौंदर्य और शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 4+4=8

पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी-भर दाने को — भूख मिटाने को,
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता —
दो टूक कलेजे के करता पछतावा पथ पर आता।

अथवा

देखी जाइ आजु गोकुल मैं, घर-घर बेंचति फिरति दही री।
कहँ लगि कहौं बनाइ बहुत बिधि, कहत न मुख सहसहुँ निबही री।
जसुमति-उदर-अगाध-उदधि तैं, उपजी ऐसी सबनि कही री।
सूर श्याम प्रभु इंद्रनीलमनि, ब्रज बनिता उर लाइ गही री।।

16. (क) 'प्रतीक्षा' कविता के आधार पर बताइए कि विकास-यात्रा के किन पड़ावों पर कवयित्री ने धैयपूर्वक प्रतीक्षा की है और क्यों ? 3

अथवा

'मृत्तिका' कविता के आधार पर बताइए कि मिट्टी और मनुष्य में आप किसकी भूमिका को अधिक महत्त्वपूर्ण मानते हैं और क्यों ?

(ख) 'एक अजीब दिन' के अनोखेपन को स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस दिन के चमत्कारों में कवि ने सबसे बड़ा चमत्कार किसे कहा है। 3

अथवा

भाग्य और पुरुषार्थ में आप किसे अच्छा मानते हैं और क्यों ? 'चुनौती' कविता के आलोक में उत्तर दीजिए।

17. रामवृक्ष बेनीपुरी **अथवा** सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के जीवन और साहित्यिक विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए। 3

18. 'मधुसंचय भाग-2' के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2+2+2 = 6

(क) सुभाष चंद्र बोस के पत्र के आधार पर लिखिए कि लोकमान्य तिलक को जेल में किन कठिनाइयों से गुजरना पड़ा।

(ख) 'काश, मैं मोटर साइकिल होता' व्यंग्य में बीमा-अधिकारी ने यह क्यों कहा कि अगली बार दुर्घटना हो तो आप इलाहाबाद ज़िले में ही गिरिएगा।

(ग) 'मुग़लों ने सल्तनत बख़्श दी' पाठ के लेखक दानवराज बलि के उदाहरण से क्या संकेत करना चाहता है ?

(घ) 'समानान्तर सरल रेखाएँ' कहानी में कहानीकार ने नारायण बाबू और उनके पुत्र को 'समानान्तर सरल रेखाएँ' क्यों कहा है ?

19. 'ऋण-शोध' कहानी में वर्णित प्रसंगों के आधार पर सुजीत एवं विकास के चरित्र की तुलना कीजिए। 4